हकेंवि के शोधार्थी-शिक्षकों को मिला यंग साइंटिस्ट अवार्ड

सम्मानित होने के बाद खुशी नजर आते शोधार्थी। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स (इंडिया) के वार्षिक सम्मेलन में विभिन्न श्रेणियों में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के तीन प्रोफेसरों को यंग साइंटिस्ट अवार्ड मिला है। यह अवार्ड माइक्रोबायोलॉजी विभाग की डॉ. पूजा यादव, डॉ. ऋषिकेश शुक्ला और जैव रसायन विभाग के डॉ. विकास यादव को यह अवार्ड प्राप्त हुआ है। इस सम्मेलन का मुख्य विषय कृषि और स्वास्थ्य पर केंद्रित था । हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने शिक्षकों की इस सफलता पर खुशी जाहिर की।

डॉ. पूजा और डॉ. विकास (प्रतिष्ठित रामालिंगास्वामी फेलोशिप प्राप्तकर्ता) वर्तमान में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के रूप में काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने हार्वर्ड और टेक्सास विश्वविद्यालय में पोस्ट-डॉक्टोरल फेलो के रूप में काम किया है। सोसायटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स (इंडिया) को 1930 में स्थापित किया गया था। इसका मुख्यालय भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलूरू में था। यह भारत की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित वैज्ञानिक सोसायटी है। दूसरे विश्व युद्ध काल के दौरान सोसायटी ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें औद्योगिक और कृषि अपशिष्ट उपयोगिताओं पर भोजन के विकल्प, दवा और टॉनिक के रूप में स्वदेशी बायोमटीरियल्स के इस्तेमाल पर सरकार को सलाह दी। तबसे सोसायटी स्वास्थ्य और कृषि अनुसंधान के माध्यम से सामाजिक कल्याण में सुधार के लिए नीति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस वर्ष आयोजित वार्षिक सम्मेलन में पूरे देश के लगभग 600 प्रसिद्ध शोधकर्ताओं एवं वैज्ञानिकों ने भाग लिया और अपना अनुसंधान कार्य प्रस्तुत किया।

शोधार्थी-शिक्षकों को मिला यंग साइंटिस्ट अवार्ड

महेंद्रगढ़, 21 नवम्बर (मोहन/परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की डा. पूजा यादव और डा. गषिकेश शुक्ला व जैव रसायन विभाग के डा. विकास यादव ने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित सोसायटी ऑफ बायोलॉजिकल कैमिस्ट्स (इंडिया) के 86 वें वार्षिक सम्मेलन में विभिन्न श्रेणियों में यंग साइंटिस्ट अवार्ड प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया।

इस सम्मेलन का मुख्य विषय कृषि और स्वास्थ्य पर केंद्रित था। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी.कुहाड़ ने शिक्षकों की इस सफलता पर खुशी जाहिर करते

विभिन्न श्रेणियों में यंग साइंटिस्ट अवार्ड प्राप्त करते गण्यमान्यजन। (मोहन)

हुए कहा कि उन्हें यकीन है कि विश्वविद्यालय शिक्षक व शोधार्थी इसी तरह समाज हित में शोध करते रहेंगे।

डा. पूजा और डा. विकास (प्रतिष्ठित रामालिंगास्वामी फैलोशिप प्राप्तकर्त्ता) वर्तमान में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफैसर के रूप में काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने प्रतिष्ठित हार्वर्ड विश्वविद्यालय और टैक्सास विश्वविद्यालय में पोस्ट -डाक्टोरल फैलो के रूप में काम किया है। डा. गषिकेश डा. डी.एस. कोठारी पोस्ट डाक्टरल फैलो हैं जो कुलपति, प्रो. आर.सी. कुहाड़ के नेतृत्व में कार्यरत हैं।डा. गषिकेश वर्तमान में लिगनोंसेगूलोसिक वेस्ट प्रोडक्ट्स का उपयोग कर एरिथिलोल प्रोडक्शन पर काम कर रहे हैं और उन्होंने डेक्सट्रान के एंटी कैंसर गुणों पर भी काम किया है। उनके पास प्रसिद्ध जर्नल्स में 17 प्रकाशन और एक पेंटैंट हैं। इस सम्मेलन में माइक्रोबायोलॉजी विभाग के पीएच.डी. छात्रों ने भी अपना काम प्रस्तुत किया। यहां बता दे कि सोसायटी ऑफ बायोलॉजिकल कैमिस्ट्स (इंडिया) को 1930 में स्थापित किया गया था, जिसका मुख्यालय भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु में था।

यह भारत की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित वैज्ञानिक सोसायटी है। दूसरे विश्व युद्ध काल के दौरान सोसायटी ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसमें औद्योगिक और कृषि अपशिष्ट उपयोगिताओं पर भोजन के विकृप, दवाई और टॉनिक के रूप में स्वदेशी बायोमैटीरियल्स के इस्तेमाल पर सरकार को सलाह दी।

तब से सोसायटी स्वास्थ्य और कृषि अनुसंधान के माध्यम से सामाजिक कृयाण में सुधार के लिए नीति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस वर्ष आयोजित वार्षिक सम्मेलन में पूरे देश के लगभग 600 प्रसिद्ध शोधकर्त्ताओं वैज्ञानिकों ने भाग लिया और अपना अनुसंधान कार्य प्रस्तुत किया।

जवाहरलाल विश्वविद्यालय नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम

यंग साइंटिस्ट अवार्ड प्राप्त कर नाम किया रोशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को माइक्रोबायोलॉजी विभाग की डॉ. पूजा यादव, डॉ. ऋषिकेश शुक्ला व जैव रसायन विभाग के डॉ. विकास यादव ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली में आयोजित सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल के मिस्ट्स इंडिया के 86 वें वार्षिक सम्मेलन में विभिन्न श्रेणियों में यंग साइंटिस्ट अवार्ड प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। इस सम्मेलन का मुख्य विषय कृषि और स्वास्थ्य पर केंद्रित था।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने शिक्षकों की इस सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें यकीन है कि विश्वविद्यालय शिक्षक व शोधार्थी इसी तरह

महेंद्रगढ़। शोधार्थी, शिक्षकों को मिला यंग साइंटिस्ट अवार्ड दिखाते।

- 600 प्रसिद्ध शोधकर्ताओं वैज्ञानिकों ने भाग लिया

समाज हित में शोध करते रहेंगे। डॉ. पूजा व डॉ. विकास प्रतिष्ठित रामालिंगा स्वामी फैलोशिप प्राप्तकर्ता वर्तमान में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सहायक प्रो. के रूप में काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने प्रतिष्ठित हार्वर्ड विश्वविद्यालय और टेक्सास विश्वविद्यालय में पोस्ट-डॉक्टोरल फेलो के रूप में काम किया है।

डॉ. ऋषिकेश डॉ. डीएस कोठारी पोस्ट डॉक्टरल फेलो हैं जो कुलपति, प्रो.आरसी कुहाड़ के नेतृत्व में कार्यरत हैं। डा. ऋषकेश वर्तमान में लिगनोंसेल्लूलोसिक वेस्ट प्रोडक्ट्स का उपयोग कर एरिथिलोल प्रोडक्शन पर काम कर रहे है और उन्होंने डेक्सट्रान के एंटी कैंसर गुणों पर भी काम किया है। उनके पास प्रसिद्ध जर्नल्स में 17 प्रकाशन और एक पेटेंट हैं। इस सम्मेलन में माइक्रोबायोलॉजी विभाग के पीएचडी छात्रों ने भी अपना काम प्रस्तुत किया।

यहां बता दे कि सोसायटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स इंडिया को 1930 में स्थापित किया गया था, जिसका मुख्यालय भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु में था। यह भारत की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित वैज्ञानिक सोसायटी है।

दूसरे विश्व युद्ध काल के दौरान सोसायटी ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसमे औद्योगिक और कृषि अपशिष्ट उपयोगिताओं पर भोजन के विकल्प, दवा और टॉनिक के रूप में स्वदेशी बायोमेटेरियल्स के इस्तेमाल पर सरकार को सलाह दी। तब से सोसायटी स्वास्थ्य और कृषि अनुसंधान के माध्यम से सामाजिक कल्याण में सुधार के लिए नीति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस वर्ष आयोजित वार्षिक सम्मेलन में पूरे देश के लगभग 600 प्रसिद्ध शोधकर्ताओं वैज्ञानिकों ने भाग लिया और अपना अनुसंधान कार्य प्रस्तुत किया।

हकेंवि के शोधार्थी व शिक्षकों को मिला यंग साइंटिस्ट अवार्ड

प्रमाण पत्र के साथ शिक्षक ● जागरण

जागरण संवाददाता, नारनौल : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेन्द्रगढ़ के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की डॉ. पूजा यादव और डॉ. ऋषिकेश शुक्ला व जैव रसायन विभाग के डॉ. विकास यादव ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली में आयोजित सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स (इंडिया) के 86 वें वार्षिक सम्मेलन में विभिन्न श्रेणियों में यंग साइंटिस्ट अवार्ड प्राप्त किए। इस सम्मेलन का मुख्य विषय कृषि और स्वास्थ्य पर केंद्रित था। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने इस सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें यकीन है कि विश्वविद्यालय शिक्षक व शोधार्थी इसी तरह समाज हित में शोध करते रहेंगे ।

डॉ. पूजा और डॉ. विकास (प्रतिष्ठित रामालिंगास्वामी फैलोशिप प्राप्तकर्ता) वर्तमान में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के रूप में काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने प्रतिष्ठित हार्वर्ड विश्वविद्यालय और टेक्सास विश्वविद्यालय में पोस्ट -डॉक्टोरल फेलो के रूप में काम किया है। डॉ. ऋषिकेश, डॉ. डीएस कोठारी पोस्ट डॉक्टरल फेलो हैं। डॉ. ऋषिकेश वर्तमान में लिगनोंसेल्लूलोसिक वेस्ट प्रोडक्ट्स का उपयोग कर एरिथिलोल प्रोडक्शन पर काम कर रहे हैं। उन्होंने डेक्सट्रान के एंटी कैंसर गुणों पर भी काम किया है। सोसायटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स (इंडिया) को 1930 में स्थापित किया गया था, जिसका मुख्यालय भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरू में था। यह भारत की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित वैज्ञानिक सोसायटी है। दूसरे विश्व युद्ध काल के दौरान सोसायटी ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसमें औद्योगिक और कृषि अपशिष्ट उपयोगिताओं पर भोजन के विकल्प, दवा और टॉनिक के रूप में स्वदेशी बायोमेटेरियल्स के इस्तेमाल पर सरकार को सलाह दी ।

हकेंवि के शोधार्थी शिक्षकों को मिला यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की डॉ. पूजा यादव और डॉ. ऋषिकेश शुक्ला व जैव रसायन विभाग के डॉ. विकास यादव ने जवाहरलाल नेहरू विवि, नई दिल्ली में आयोजित सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स (इंडिया) के 86वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान विभिन्न श्रेणियों में यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड प्राप्त किया है। इस सम्मेलन का मुख्य विषय कृषि और स्वास्थ्य था। केन्द्रीय विवि के कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने शिक्षकों की इस सफलता पर खुशी जाहिर की है। कुहाड़ ने कहा कि प्रतिष्ठित रामालिंगास्वामी फैलोशिप प्राप्तकर्ता पूजा और डॉ. विकास वर्तमान में हकेंवि में बतौर सहायक प्रोफेसर काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने हार्वर्ड विवि और टेक्सॉस विवि में पोस्ट-डॉक्टोरल फेलो के रूप में काम किया है। डॉ. ऋषिकेश डॉ. डीएस कोठारी पोस्ट डॉक्टरल फेलो हैं, जो कुलपति, प्रोफेसर आरसी कुहाड़ के नेतृत्व में कार्यरत हैं। डॉ. ऋषिकेश लिग्नोसेल्लूलोसिक वेस्ट प्रोडक्ट्स का उपयोग कर एरिथिलोल प्रोडक्शन पर काम कर रहे हैं और उन्होंने डेक्सट्रॉन के एंटी कैंसर गुणों पर भी काम किया है। उनके पास प्रसिद्ध जर्नल्स में 17 प्रकाशन और एक पेटेंट है। इस सम्मेलन में माइक्रोबायोलॉजी विभाग के पीएचडी छात्रों ने भी अपना काम प्रस्तुत किया।